

“पेन टुडे” प्रकाशन का यह काव्य संकलन “एक राधा गीत गाती है” विरह शृंगार के गीतों का संकलन है, जिसमें संयोग एवं वियोग शृंगार का काव्य विभिन्न रंगों में प्रस्फुटित हुआ है। राधा-कृष्ण को शाश्वत युगल कहा गया है एवं राधा के बिना श्रीकृष्ण अपूर्ण माने जाते हैं, इस काव्य संकलन में राधा की महत्ता स्थापित करते हुए विभिन्न काव्य रूपों का संकलन किया गया है। यह गीत संकलन उस प्रेम की अनुभूति का संकलन है, जिस भक्ति रूपी प्रेम से ईश्वर के प्रेम की प्राप्ति सहज रूप से सम्भावित है। यह पुस्तक एक अतृप्त भावनाओं के कवि प्रशांत मिश्रा 'मन' की वेदना का संकलन है।